IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 5, November 2025 Impact Factor: 7.67

# प्रमुख प्रगतिवादी कवि एवं प्रगतिवादी काव्य का एक अध्ययन

**डॉ. देशपति सार्मे**
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
शासकीय महाविद्यालय, पुष्पराजगढ़ (म.प्र.)

**अनिरूद्ध पाल**
शोधार्थी, हिन्दी
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प.)

**शोध सारांशः**

प्रगतिवादी काव्य के प्रमुख कवि के रूप में सुमित्रानंदन पंत,सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', केदारनाथ अग्रवाल, शिवमंगल सिंह, सुमन, भवानी प्रसाद मिश्र, त्रिलोचन शास्त्री, रामविलास शर्मा नागार्जुन, इन आठ कवियों को चुना है। इनका जीवन–परिचय और रचनाओं का उल्लेख करते हुए इनकी काव्य उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। पंत का जन्म सन् 1956को ग्राम कौसानी जिला अल्मोड़ा में हुआ था। इनके पिता का नाम गंगा दत्त, पंत और माता का नाम सरस्वती देवी है। प्रयाग विश्वविद्यालय में एक राजनैतिक सभा में महात्मा गाँधी की युगवाणी सुनकर आपने पढ़ना छोड़ दिया। आप हिन्दी, अग्रेंजी, बग्ला के विद्वान थें। हिन्दी के प्रमुख विचारकों में आपका स्थान है। पंत जी हिन्दी के युगान्तकारी कवि हैं आपके हिन्दी कविता को नये भाव, नयी भाषा और नये सौन्दर्य चित्र प्रदान किये गये है। पंत जी सौन्दर्य प्रिय और आशावादी कवि थे।

**मुख्य शब्दः** प्रगतिवादी काव्य, भाषा, सौन्दय, युगान्तकारी, राजनैतिक, महात्मा गाँधी, युगवाणी आदि।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-30041